आके तेरे दर पे निहाल हो गया

तेरे बिना ओ श्याम मेरा क्या हाल हो गया,
आके तेरे दर पे निहाल हो गया,
तेरे बिना ओ श्याम मेरा क्या हाल हो गया,

दुःख के बदल दूर हटे जब शरण में तेरी आया,
बिन मांगे सब तुमसे पाया ऐसी है तेरी माया,
जो पहले न हुआ वो कमाल हो गया हां धमाल हो गया,
आके तेरे दर पे निहाल हो गया,

भक्ति की शक्ति क्या होती है,
मैं तो समज न पाया,
मन का दर्पण यांक के देखा तू ही नजर वाहा आया,
जब से तू मुझे मिला माला माल हो गया मैं खुश हाल हो गया,
आके तेरे दर पे निहाल हो गया...

तू ही बनाये तू ही मिटाये तू ही पार लगाये,
विजय राज तेरी लिखे वन्दना सुधीर संगाये सा गाये,
कुर्बान हो गया माला माल हो गया ओ कमाल हो गया,
आके तेरे दर पे निहाल हो गया,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9161/title/aake-tere-dar-pe-nihaal-ho-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |